भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 4595

जिसका उत्तर 19.03.2026 को दिया जाना है

गंगा एक्सप्रेस-वे को बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे से जोड़ना

4595. श्री नरेश चंद्र उत्तम पटेल:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का बुंदेलखंड क्षेत्र और मध्य गंगा क्षेत्र के बीच बेहतर सड़क संपर्क सुनिश्चित करने की दृष्टि से उत्तर प्रदेश राज्य में, विशेषकर फतेहपुर जिले के माध्यम से गंगा एक्सप्रेस-वे को बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे से जोड़ने का कोई प्रस्ताव है;

(ख) क्या सरकार का इस प्रयोजनार्थ फतेहपुर (बांदा सागर मार्ग) के रास्ते रायबरेली से बांदा तक एक नए गलियारे का उन्नयन या विकास करने का विचार है;

(ग) यदि हां, तो इसकी वर्तमान स्थिति क्या है और अब तक की गई प्रारंभिक कार्रवाई का संक्षिप्त ब्यौरा क्या है; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं और क्या सरकार का क्षेत्रीय विकास और कृषि उत्पादों के सुगम परिवहन को ध्यान में रखते हुए इस मार्ग को प्राथमिकता देने का विचार है?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) से (घ) सरकार का सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय मुख्य रूप से देश में राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच) के विकास और रखरखाव के लिए उत्तरदायी है। जहां तक गंगा एक्सप्रेसवे का संबंध है, यह परियोजना उत्तर प्रदेश राज्य सरकार के उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीईआईडीए) द्वारा शुरू की गई है।

यूपीईआईडीए से प्राप्त जानकारी के अनुसार, वर्तमान में गंगा एक्सप्रेसवे को बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे, विशेष रूप से फतेहपुर जिले के माध्यम से जोड़ने का कोई प्रस्ताव नहीं है। तथापि, 91 किमी की लंबाई वाले फर्रुखाबाद लिंक एक्सप्रेसवे को मंजूरी दी गई है जो बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे (चैनेज 269+70) और आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे (चैनेज 133+800 किमी) के जंक्शन से शुरू होकर आगे हरदोई जिले में गंगा एक्सप्रेसवे (चैनेज 283+000 किमी) से जुड़ता है।

रायबरेली से बांदा तक फतेहपुर (बांदा सागर मार्ग) के रास्ते विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने के लिए परामर्शी सेवाओं के लिए अनुबंध करार पर दिनांक 17.02.2026 को हस्ताक्षर किए गए हैं। डीपीआर परामर्शदाता ने आरंभिक रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी है।

राष्ट्रीय राजमार्ग का विकास और रखरखाव एक सतत प्रक्रिया है। एनएच पर कार्य, एनएच को यातायात योग्य स्थिति में रखने के लिए तदनुसार, यातायात सघनता, सड़क की स्थिति और पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के साथ तालमेल के आधार पर किया जाता है।

*****